समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

एशिया कप 2025 विवाद : BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने आरोप लगाया, ट्रॉफी और मेडल लेकर गए मोहसिन नकवी

CL SAINI

Published on 29 Sep 2025

एशिया कप 2025 के फाइनल के बाद **भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI)** और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। BCCI के सचिव **देवजीत सैकिया** ने आरोप लगाया है कि एशिया कप 2025 फाइनल में **टीम इंडिया के ट्रॉफी और मेडल लेने से इनकार करने के बाद** एसीसी अध्यक्ष और PCB के चेयरमैन **मोहसिन नकवी** ट्रॉफी और मेडल अपने साथ ले गए।

इस घटना ने न केवल क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि खेल भावना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के नियमों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

देवजीत सैकिया का बयान

BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा:

> "हमने पहले ही तय कर लिया था कि हम एसीसी चेयरमैन, जो पाकिस्तान के बड़े नेताओं में से एक हैं, उनसे ट्रॉफी नहीं लेंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह ट्रॉफी और मेडल लेकर चले जाएं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है और खेल भावना के खिलाफ है। हम उम्मीद करते हैं कि ट्रॉफी और मेडल जल्द ही भारत को लौटाए जाएंगे।"

सैकिया ने स्पष्ट किया कि **BCCI इस मुद्दे पर अगले महीने ICC मीटिंग मे औपचारिक शिकायत दर्ज कराएगा**। इसके साथ ही उन्होंने मोहसिन नकवी को **अल्पकाल मे ट्रॉफी लौटाने का अल्टीमेटम** भी दिया।

एशिया कप फाइनल का संदर्भ

एशिया कप 2025 का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया था। मैच का **उत्साह और रोमांच** दर्शकों और क्रिकेट प्रेमियों को बेहद पसंद आया। हालांकि, खेल के बाद **ट्रॉफी और मेडल को लेकर हुई यह विवादास्पद घटना** पूरी प्रतियोगिता की जीत और उत्सव पर छाया डाल रही है।

क्रिकेट विशेषज्ञों का कहना है कि खेल का **सर्वोच्च उद्देश्य सम्मान और खेल भावना** बनाए रखना होता है। ऐसे में ट्रॉफी और मेडल का व्यक्तिगत तौर पर कब्जा करना **खेल की भावना के खिलाफ** है।

BCCI की अगली कार्रवाई

देवजीत सैकिया ने बताया कि BCCI इस मामले को **ICC के सामने औपचारिक रूप से उठाएगा**। यह शिकायत **नवंबर मे होने वाली ICC कॉन्फ्रेंस** में प्रस्तुत की जाएगी। इसके तहत निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे:

1. **औपचारिक शिकायत दर्ज कराना**: ICC के नियमों के तहत ट्रॉफी और मेडल लौटाने की मांग।
2. **खेल भावना के उल्लंघन का विरोध**: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल की मर्यादा और सम्मान की रक्षा।
3. **अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावनाएं**: यदि ट्रॉफी और मेडल वापस नहीं लौटाए गए तो ICC स्तर पर अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे।

BCCI ने साफ किया कि यह मामला केवल **राजनीतिक या व्यक्तिगत मतभेद** का नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेलों की मर्यादा और नियमों का है।

खेल विश्लेषकों और मीडिया की प्रतिक्रिया

क्रिकेट विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना क्रिकेट जगत में **विश्वास और खेल भावना** पर सवाल खड़ा करती है। कई खेल पत्रकारों और विश्लेषकों ने इस कदम की निंदा की है और कहा कि खेल में जीत का उद्देश्य केवल **प्रतियोगिता और सम्मान** होना चाहिए। ट्रॉफी और मेडल की सुरक्षा और वितरण में **अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन** आवश्यक है। अगर इस मामले को समय पर सुलझाया नहीं गया, तो ICC और एसीसी के बीच **विवाद और बढ़ सकता है**।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि खेल में ऐसे विवाद **दोनों देशों के बीच क्रिकेट कूटनीति** को प्रभावित कर सकते हैं।

ICC की भूमिका और संभावना

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का यह मामला **खेल की मर्यादा और अनुशासन** से संबंधित है। ICC की बैठक में निम्नलिखित मुद्दों पर विचार हो सकता है। ट्रॉफी और मेडल की वापसी और सही वितरण सुनिश्चित करना। एसीसी और संबंधित क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को **अनुशासनात्मक निर्देश** देना। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में **खेल भावना और सम्मान बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश** देना।

इस मामले का निपटारा केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि **खेल और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण** माना जा रहा है।

खेल और राजनीतिक पहलुओं की प्रतिक्रिया

यह घटना केवल खेल ही नहीं, बल्कि **राजनीतिक और कूटनीतिक पहलुओं** के लिए भी चर्चा का विषय बन गई है। कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रॉफी और मेडल का विवाद **भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों** को प्रभावित कर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि खेल का **राजनीतिकरण** खतरनाक साबित हो सकता है। ICC और एसीसी को चाहिए कि वे **स्पष्ट और निष्पक्ष निर्णय** लें। खिलाड़ियों और दर्शकों की भावना का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/CL SAINI, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.